ओटीटी माध्यमों पर प्रसारित आपराधिक पृष्ठभूमि की वेब सीरीज का युवाओं पर प्रभाव : एक अध्ययन

(मेरठ जिले के विशेष संदर्भ में)

आई.आई.एम.टी. विश्वविद्यालय, मेरठ

की

पीएच.डी (पत्रकारिता एवं जनसंचार)

उपाधि

हेतु प्रस्तुत

शोध प्रबन्ध

शोध निर्देशक:

डॉ. विवेक सिंह
असिस्टेंट प्रोफेसर
स्कूल ऑफ मीडिया,
फिल्म एण्ड टेलीविजन स्टडीज
आई.आई.एम.टी. विश्वविद्यालय, मेरठ।

शोधार्थी:

शैली शर्मा
नामांकन सं0 IIMTU/2199003
Email- shellyyysharmaaa@gmail.com

शोध केन्द्र
स्कूल ऑफ मीडिया, फिल्म एण्ड टेलीविजन स्टडीज
आई.आई.एम.टी विश्वविद्यालय,
मेरठ (उत्तर प्रदेश)

शोध समस्या

विश्व के सभी क्षेत्रों में बड़ी तेजी के साथ बदलाव दृष्टिगोचर हो रहा है। विकास के बढ़ने के साथ भूमंडलीकरण का प्रभाव मानव जाति के सभी वर्गों के साथ उसकी सभ्यता, संस्कृति, संस्कार और व्यवहार में भी परिलक्षित हो रहे हैं। इससे आधी आबादी भी अछूती नहीं है। यह बदलाव जहां सकारात्मक है वहीं नकारात्मक भी है जिन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता है। बढ़ती जनसंख्या बेरोजगारी और इससे दूसरी सामाजिक समस्याओं के बढ़ने के साथ समाज में विद्रूपताएं बढ़ रही हैं। दूसरे शब्दों में वैश्विक समय में संसार ने पूरी दुनिया को बदल दिया है। समस्याएं और समाधान भी वैश्विक हो गए हैं। व्यक्ति, परिवार, संस्कृति, संस्था और समाज पूरी तरह से संचार के आगोश में है और ना चाहते हुए भी इसके प्रभावों से बच नहीं सकते हैं। ऐसे में इससे अछूता न तो भारतीय समाज है और न ही यहां की आबादी। संचार की सर्वसुलभता ने ओटीटी प्लेटफॉर्म को जन्म दिया है। बीते कुछ सालों पर गौर करें तो डिजिटल प्लेटफॉर्म पर वेब सीरीज ने धमाल मचा दिया है इसकी एक बड़ी वजह यह भी है कि अब कहानियों के साथ–साथ नए प्रयोग हो रहे हैं और नए कंटेंट ने दर्शका को विकल्प दिया है। टेलीविजन से अलग यहां सास बहू का घिसा पिटा ड्रामा नहीं है और ना ही लंबे–लंबे ब्रेक। टेलीविजन चैनलों की बात करें या फिल्मों की कहानी अक्सर एक ही विषय के इर्द गिर्द घूमती रहती है। जबकि वेब सीरीज में कंटेंट सबसे बड़ा हथियार है। यहां प्रोड्यूसर–डायरेक्टर को बोल्ड कंटेंट से लेकर कई ऐसे मुद्दों पर सीरीज बनाने की छूट है जिन्हें फिल्मों और सीरियलों में आमतौर पर नहीं दिखाया जा सकता। अब इस चीज के दो पहलू है पहला पहलू की हां ठीक है इससे निर्माताओं को एक वैकल्पिक रास्ता तो मिल ही रहा है जहा वे अपनी बात बेबाकी से कह पा रहे हैं तो वही दूसरा पक्ष यह कहता है कि छूट का मतलब यह तो नहीं है कि हम लोग कुछ भी दिखाने लग जाए, जिससे हमारे समाज पर नकारात्मक असर हो। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सबसे अधिक प्रचलित सीरीज में अपराध आधारित सीरीज है। ऐसी सीरीज का ओटीटी प्लेटफॉर्म पर काफी बोलबाला है। इस प्रकार की सीरीज में संगीन अपराध जैसे हत्या, अपहरण, लूटपाट, डकैती, बलात्कार, बाल अपराध, तस्करी, महिला अपराध इत्यादि को अत्यधिक बारीकी से नाटकीय रूप में दर्शाया जाता है। जो लोगों को मानसिक रूप से प्रभावित करता है, जिनमें विशेष रूप से युवाओं पर यह प्रभाव देखा जा सकता है। यह लोगों को इन संगीन अपराधों के प्रति जागरूक करने का कार्य तो कर रहा है लेकिन नेंपथ्य में कुछ ज्वलंत प्रश्न भी हैं।

.भारतीय समाज के परिप्रेक्ष्य में ओटीटी प्लेटफॉर्म अपराध आधारित वेब सीरीज में किस प्रकार की सामग्री प्रस्तुत कर रहे हैं?
.अपराध आधारित वेब सीरीज में अपराध का चित्रण किस प्रकार किया जा रहा है?
.अपराध आधारित वेब सीरीज में किस प्रकार की भाषा का प्रयोग किया जा रहा है?
.ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपराध आधारित वेब सीरीज में लोग संगीन अपराधों को बारीकी से देखना चाहते हैं लेकिन कहीं ना कहीं परिवार को इस से दूर रखना चाहते हैं यह विरोधाभास क्यों?
.क्या अपराध आधारित वेब सीरीज में अपराधों के चित्रण की वजह से लोगों की रोजमर्रा कि जिंदगी में आक्रामक रवैया घर करता जा रहा है?
.क्या अपराध आधारित वेब सीरीज युवाओं को संवेदनहीन और हिंसा को समाज का अनिवार्य हिस्सा मान लेने की मानसिकता को बना रही है?

शोध शीर्षक– ओटीटी माध्यमों पर प्रसारित आपराधिक पृष्ठभूमि की वेब सीरीज का युवाओं पर प्रभाव : एक अध्ययन (मेरठ जिले के विशेष संदर्भ में)

विषय

विकास के इस दौर में संचार माध्यमों में ओटीटी प्लेटफॉर्म की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होती जा रही है। टेलीविजन शो की जगह अब वेब सीरीज ने ले ली है। जिसके चलते ओटीटी प्लेटफॉर्म का निर्माण किया गया है। ओटीटी माध्यमों की शुरुआत भारत में 2008 में रिलायंस द्वारा लांच बिगफ्लिक्स से मानी जाती है किंतु इस माध्यम का लोगों के बीच प्रचलन 2015 में जिओ के आने के पश्चात अधिक हुआ। वास्तविक रूप में ओटीटी माध्यम को लोगों के मध्य पहचान कोविड–19 महामारी के दौरान मिली। टेलीविजन पर कंटेंट की कमी के कारण लोगों में ओटीटी माध्यमों को अपनाने की एक निर्विवाद प्रवत्ति सामने आई। जिसन ओटीटी माध्यमों की पॉपलैरिटी का एक नया आयाम स्थापित किया। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आप हर तरह के प्रोग्राम देख सकते हैं। इन्हीं में से आजकल लोगों के बीच आपराधिक वेब सीरीज काफी प्रचलित है। इन वेब सीरीज में क्राइम, थ्रिलर और सस्पेंस ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है। अपराध की बारीकी व सस्पेंस लोगों को ऐसी सीरीज से बांधे रखने के लिए मजबूर कर देती है। इस प्रकार की वेब सीरीज लोगों को समाज में हो रहे संगीन अपराधों से परिचित कराती है। ऐसी सीरीज लोगों का मनोरंजन तो करती हैं साथ ही कहीं ना कहीं ऐसे अपराधों के प्रति जागरूक करने का कार्य भी करती हैं। किंतु कहीं ना कहीं आपराधिक वेब सीरीज दो धारी तलवार हैं जिससे आम आदमी के लिए हकीकत और कल्पना में अंतर को खत्म कर दिया है। विशेष रूप से बच्चों और युवाओं के लिए। ऐसी वेब सीरीज लोगों का मनोरंजन तो

कर देती है किंतु कहीं ना कहीं अपराध को इस बारीकी से दिखाए जाने से उन्हें मानसिक रूप से अत्यधिक प्रभावित करती है कहीं ना कहीं ऐसी वेब सीरीज लोगों को अपराध के प्रति संवेदनहीन बनातो जा रहे हैं। लोग वास्तविकता व फेंटेसी में अंतर नहीं कर पाते हैं। अपराध को इस बारीकी से दिखाया जाना खतरनाक है जिसके परिणाम समय–समय पर सामने आते रहे हैं।

उद्देश्य

वेब श्रृंखला लघु वीडियो एपिसोड की एक श्रृंखला है, जो दर्शकों को एक कहानी बताने के लिए एक निश्चित अवधि में जारी की जाती है। यह एक टेलीविजन दैनिक श्रृंखला की तरह बनाया गया है, सिवाय इसके कि यह वेब प्लेटफॉर्म पर देखा गया। पहले यह पश्चिमी देशों में बहुत लोकप्रिय था, लेकिन वैश्वीकरण के साथ, ऑनलाइन स्ट्रीमिंग सामग्री का चलन भारत में भी लोकप्रिय हो गया। जिसमें भारतीय समाज में मुख्य रूप से अपराध आधारित वेब सीरीज को अत्यधिक पसंद किया जा रहा है। आपराधिक वेब सीरीज लोगों को अत्याधिक प्रभावित करती हैं। इस प्रकार की अपराध आधारित वेब सीरीज के द्वारा सबसे अधिक ऐसे व्यक्ति प्रभावित होते हैं जो विकृत या कमजोर मानसिकता वाले होते हैं। जिस कारण ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रसारित आपराधिक वेब सीरीज का युवाओं पर प्रभाव का अध्ययन के मुख्य उद्देश्य निम्न है–

.ओटीटी प्लेटफॉर्म पर चल रही अपराध आधारित वेब सीरीज का अध्ययन करना।
.अपराध आधारित वेब सीरीज में अपराध का चित्रण बारीकी से किया जा रहा है यह पता लगाना।
.अपराध आधारित वेब सीरीज युवाओं को मानसिक रूप से प्रभावित कर रही है इस बारे में जानना।
.अपराध आधारित वेब सीरीज युवाओं को समाज में हो रहे अपराधों से अवगत करा रही है इस बारे में जानना।
.अपराध आधारित वेब सीरीज अपराधी को अपराध करने का नया दृष्टिकोण दे रही है या नहीं यह पता लगाना।
.अध्ययन करना कि आपराधिक वेब सीरीज को देखकर आपसी संबंधों में तनाव की स्थिति उत्पन्न होती है।

साहित्य समीक्षा

. आदित्य धानुका और अभिलाषा बोहरा (2019) के अध्ययन "बिंज– वाचिंग; वेब–सीरीज एडिक्शन अमंग यूथ" से पता चलता है कि 'मुंबई में युवा अपने काम की मांगों के आधार पर अपने आयु वर्ग या लिंग से स्वतंत्र होकर द्वि घातुमान देखना पसंद करते हैं। वे डिजिटल सामग्री की खपत की लत से जूझ रहे हैं और इसके बारे में जागरूक प्रतोत होते हैं, और वेबसीरीज खपत के प्रति अपने आक्रामक व्यवहार को भी बदलना चाहते हैं। रिपोर्ट में इन युवा व्यक्तियों के भावनात्मक, शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक स्वास्थ्य पर वेब श्रृंखला देखने के नकारात्मक प्रभाव पर प्रकाश डाला गया है।

. आहूजा राहुल (2020) ने अपने अध्ययन "ए स्टडी ऑफ वेब सीरीज एंड स्ट्रीमिंग कंटेंट ऑन इंडियन यूथ" में वेब शो और स्ट्रीमिंग कंटेंट के बारे में युवाओं की धारणा को दिखाया है जो अमेजॅन प्राइम, यूट्यूब, नेटफ्लिक्स, हॉटस्टार जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। ओटीटी प्लेटफार्मों पर निर्मित और स्ट्रीमिंग की जा रही सामग्री युवाओं का ध्यान आकर्षित करने और उन्हें पारंपरिक टेलीविजन सामग्री से दूर करने में सफल रही है। इसमें यह भी पाया गया कि वेब सीरीज का युवाओं के सामाजिक और मनोवैज्ञानिक व्यवहार पर प्रभाव पड़ता है।

. रावल दीपमकुमार महेशकमार (2020) ने अपने अध्ययन "ए स्टडी ऑन इम्पैक्ट एंड पॉपलैरिटी ऑफ वेब सीरीज ऑन यूथ" में बताया कि दुनिया भर में वेब शो की लोकप्रियता में कुछ वर्षों की वृद्धि ने दर्शकों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एक्सप्लोर करने के लिए एक प्रभावशाली सामग्री दी है। इस शोध पर कद्रित इंटरनेट युवाओं द्वारा काफी हद तक उपयोग किया जाता है और विशेष रूप से वेब श्रृंखला के निर्माता और प्लेटफॉर्म ऐसी सामग्री का उत्पादन कर रहे हैं जो युवा केंद्रित है। मौखिक और सोशल मीडिया के माध्यम से ओटीटी प्लेटफार्मों का अत्यधिक प्रचार किया जाता है। स्ट्रीमिंग वेब श्रृंखला देखने में वयस्क कम से कम एक घंटे या दो घंटे से अधिक खर्च करते हैं।

आदित्य, अर्चना, सुदेश पल्लापल्ली, श्रिया अल्लूरी, शिवालिका और श्रीराम (2020) ने अपने अध्ययन "नवी मुंबई के संदर्भ में 18 से 24 वर्ष के युवाओं पर ऑनलाइन स्ट्रीमिंग सेवाआ (ओएसएस) के प्रभाव का अध्ययन" में जांच की कि ओएसएस या ओटीटी 18 वर्ष से 24 वर्ष के आयु वर्ग के युवाओं को प्रभावित करते हैं। शोधकर्ताओं ने बताया कि, ऑनलाइन स्ट्रीमिंग सेवाओं का युवाओं पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ता है और ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म से उनका जीवन गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है।

. हनी राव (2021) ने अपने अध्ययन "भारतीय युवा और वयस्कों की वीडियो मनोरंजन प्राथमिकताओं पर ओटीटी दिग्गजों का

प्रभावः अध्ययन से पहले और बाद में" से पता चलता है कि 2018 में अधिकांश युवा और वयस्क सैक्रेड गेम्स और मिर्जापुर (वेब श्रृंखला) रिलीज होने के बाद धीरे–धीरे ओटीटी प्लेटफार्मों की ओर जा रहे थे। जिसके बाद ओटीटी सेवाएं युवाओं के मनोरंजन का जरिया बनीं। इस अध्ययन ने टीवी पर ओटीटी सेवा को चुनने का मुख्य कारण कार्यक्रम की सामग्री, शो की लंबाई, सेंसरशिप और उत्पादन में उन्नति को बताया ।

. कनीनिका जैन (2021) ने अपने अध्ययन "ओटीटी प्लेटफॉर्म का उदय; उपभोक्ताओं की बदलती पसंद" में पाया कि उपभोक्ता अब अच्छी तरह से सूचित हैं और नई तकनीक और मनोरंजन क्षेत्र में उभरते रुझानों से परिचित हैं। यह परिदृश्य पूरी दुनिया में ओटीटी प्लेटफॉर्म के विकास के लिए अत्यधिक जिम्मेदार है। यह लेख ओटीटी के उदय, इसकी सफलता को प्रभावित करने वाले कारक और लक्षित दर्शकों को पूरा करने वाले प्रमुख खिलाड़ियों पर ध्यान आकर्षित करता है।

. विभिन्न प्रकार के कारकों पर विचार करने के बाद, यह स्पष्ट है कि वेब श्रृंखला और इंटरनेट स्ट्रीमिंग का भारतीय युवा पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। ओटीटी प्लेटफार्मों पर उपलब्ध सामग्री, जिसमें यौन, अपमानजनक और हिंसक सामग्री के साथ–साथ शराब और ड्रग्स शामिल हैं, का भारतीय युवाओं पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ा है। इसके कारण उनके जीवन में आई असुरक्षा की भावना, निराशा, अनिद्रा आदि को उन्होंने स्वीकार किया है। युवाओं के शैक्षणिक प्रदर्शन पर भी असर पड़ता है और स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति असंवेदनशील होता जा रहा है। दूसरी ओर, द्वि घातुमान देखना मित्रों और परिवार के साथ उनके संबंधो पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। ("वेब सीरीज और स्ट्रीमिंग सामग्री के प्रभाव का भारत के युवा पर अध्ययन" डॉ. विशाल वामन वाघ, प्रो. रुचा गिरधर देशपांडे, प्रो. किरण एस पाटिल, प्रो सचिन वेंकटराव हाडोले)

. भुवनेश्वर के यवाओं पर वेब सीरीज का बहुत प्रभाव है। यह युवाओं का ध्यान आकर्षित करता है क्योंकि इसे ओटीटी पर प्रदर्शित किया जाता है। यह देखा गया कि अधिकांश युवा अंग्रेजी में वेब सीरीज देखते हैं और वे 1 घंटा देखते हैं दैनिक आधार पर 3 घंटे। एक्शन और क्राइम बेस्ड वेब सीरीज युवाओं में सबसे ज्यादा देखी गई। अधिकांश उत्तरदाताओं की राय वेब सीरीज में दिखाई गई खराब चीजों को सामान्य करने की थी। यह भी देखा गया कि "युवाओं पर वेब श्रृंखला के सामाजिक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव" और "युवाओं का ड्रग्स और शराब की ओर आकर्षित होना" के बीच कोई संबंध नहीं है। यह भी पाया गया कि "वेब सीरीज देखने से युवाओं के शैक्षणिक प्रदर्शन पर असर पड़ता है" और "युवा चिंता, अलगाव, अवसाद, अनिद्रा आदि से ग्रस्त हैं" के बीच एक महत्वपूर्ण संबंध है। हालांकि वेब सीरीज देखने के नकारात्मक पक्ष हैं, यह हो सकता है अगर सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए तो वास्तव में फायदेमंद है। ("ओटीटी प्लेटफॉर्म पर वेब सीरीज का असरः भुवनेश्वर शहर के युवा पर" देबाशीष राउत, डॉ. सोमभूषण जानकीबल्लव मिश्र, डॉ. रंजन कुमार कांथा, बिनीता मांझी 2021)

. कई पहलुओं का विश्लेषण करने के बाद यह स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि वेब श्रृंखला और ऑनलाइन स्ट्रीमिंग सामग्री का भारतीय युवाओं पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर निर्मित और प्रदर्शित की जा रही सामग्री युवाओं का ध्यान खींचने और उन्हे पारंपरिक टेलीविजन सोप ओपेरा से दूर ले जाने में सफल रही है। शराब और ड्रग्स के साथ यौन, अपमानजनक और हिंसक सामग्री से भरे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शित सामग्री ने भारतीय युवाओं पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव डाला है, वे अपने जीवन में अनिद्रा, अवसाद और असुरक्षा से पीड़ित होने के लिए सहमत हुए हैं। युवाओं को शैक्षणिक नुकसान भी हो रहा है और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का भी सामना करना पड़ रहा है। वहीं दूसरी तरफ द्वि घातुमान देखने की तरजीह का असर उनके दोस्तों और परिवारों के संबंधों पर भी पड़ा है। ("भारतीय युवाओं पर वेब सीरीज और स्ट्रीमिंग सामग्री के प्रभावों का अध्ययन" लेखकः राहुल आहूजा, सहायक प्रोफेसर, एमिटी विश्वविद्यालय पटना)

परिकल्पना

.ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रसारित आपराधिक वेब सीरीज समाज में अपराध का स्तर बढ़ा रही हैं।
.अपराध आधारित वेब सीरीज युवाओं के समक्ष जघन्य से जघन्य अपराध का बेहद बारीकी से चित्रण कर उन्हें संवेदनहीन बनाती जा रही हैं।
.अपराध आधारित वेब सीरीज युवाओं में आपराधिक प्रकृति को स्वीकृति प्रदान करा रही हैं।
.अपराध आधारित वेब सीरीज युवाओं को अपराध के प्रति जागरूक कर अपराध के स्तर को कम कर रही हैं।

शोध प्रविधि

किसी व्यक्ति, सामाजिक समस्या, घटना आदि के विषय में सावधानीपूर्वक खोज करना, व्यवस्थित छानबीन करना, पहले से

प्राप्त ज्ञान में वृद्धि करना शोध कहलाता है। यह शोध कार्य कई प्रकार से किया जा सकता है जिसे शोध पद्धति कहा जाता है। कहते हैं यदि शोध का उद्देश्य किसी कार्य का जनक है तो पद्धति उस कार्य को संपादित करने वाली शक्ति है। किसी भी कार्य को संपन्न करने के लिए किसी ना किसी सुनिश्चित पद्धति अथवा प्रविधि को अपनाया जाता है। शोध कार्य को संपन्न करने के लिए अनेक पद्धति व शोध तकनीक का प्रयोग किया जाता है। प्रस्तुत विषय के शोध निष्कर्षों को प्राप्त करने के लिए अनेक शोध प्रविधिओं का प्रयोग किया जाएगा।

.गुणात्मक विधि– इस विधि के द्वारा सामाजिक घटनाओं से संबंधित तथ्यों का गुणों के आधार पर वर्णन किया जाएगा। साक्षात्कार के आधार पर प्रस्तुत विषय में गुणात्मक विधि का प्रयोग किया जाएगा। जिसके तहत ओटीटी प्लेटफॉर्म पर परोसी जा रही सामग्री का भविष्य में क्या प्रभाव पड़ेगा यह जानने का प्रयास किया जाएगा।

.मात्रात्मक विधि– सामाजिक घटनाओं से संबंधित तथ्यों का संख्या के आधार पर मापन किया जाता है। प्रश्नावली जिसे प्रश्न समूह अनुसूची भी कहते हैं के माध्यम से प्रस्तुत शोध विषय में युवाओं का साक्षात्कार लिया जाएगा, जिसमें 18–35 वर्ष की आयु के शिक्षित, अशिक्षित युवा शामिल होंगे। इसमें बहुसंख्यक जनों की राय में विषय की प्रवृत्ति किस तरफ जा रही है इसका आकलन किया जाएगा।

.अंतर्वस्तु विश्लेषण पद्धति– प्रस्तुत शोध कार्य में प्रश्नावली के माध्यम द्वारा सर्वेक्षण पद्धति से प्राप्त निष्कर्षों का अंतर्वस्तु विश्लेषण किया जाएगा। समाज के युवा आयु वर्ग कि संबंधित विषय पर क्या राय है, आर्थिक आधार पर वर्गीकृत समाज के युवाओं की क्या राय है इत्यादि। इस पद्धति के तहत विभिन्न ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रसारित आपराधिक वेब सीरीज का समाज पर क्या प्रभाव पड़ रहा है इसकी विवेचना की जाएगी। आपराधिक वेब सीरीज का चलन किस हद तक बढ़ा है और समाज की क्या राय बन रही है, युवाओं में इसको लेकर इतना आकषण क्यों है तो पुरानी पीढ़ी के लोग इसे कैसे देखते हैं इसका भी विश्लेषण किया जाएगा। संबंधित विषय में अपराध प्रधान वेब सीरीज का समाज पर क्या प्रभाव पड़ रहा है व समाज के लोग इसे किस रूप में ग्रहण कर रहे हैं आदि अनेक विषयों पर तुलनात्मक अध्ययन भी किया जाएगा।

शोध का क्षेत्र

प्रस्तुत शोध विषय ”ओटीटी माध्यमों पर प्रसारित आपराधिक पृष्ठभूमि की वेब सीरीज का युवाओं पर प्रभावः एक अध्ययन (मेरठ जिले के विशेष संदर्भ में)“ के लिए देश की राजधानी दिल्ली से लगभग 70 किलोमीटर की दूरी पर स्थित उत्तर प्रदेश के जिल मेरठ का चयन किया गया है। मेरठ जिला में तीन तहसील है मेरठ, मवाना और सरधना। मेरठ तहसील का अधिकांश क्षेत्र महानगर के समीप होने से उसकी आर्थिक और सामाजिक स्थिति में शहरी जीवन का समावेश दृष्टिगोचर होता है। जिस कारण ग्रामीण क्षेत्रों का शहरीकरण तेजी क साथ हो रहा है। इसी कारणवश लोग टेलीविजन को छोड़ ओटीटी प्लेटफॉर्म को भी अपने मनोरंजन के स्रोत के रूप में अपना रहे हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म का प्रभाव बहुत तेजी के साथ लोगों के जीवन पर पड़ रहा है। जिसका प्रभाव उनकी दिनचर्या में दृष्टिगोचर हो रहा है। आटीटी प्लेटफॉर्म के इसी प्रभाव का वृहतम रूप समाज में देखने को मिल रहा है। जिस कारण भारत में हिंदी भाषा में विभिन्न ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होने वाली वेब सीरीज जिसमें अपराध को मुख्य विषय के रूप में प्रस्तुत किया गया है, उनका अध्ययन किया जाएगा। जिसके अंतगत 2017 से लेकर 2022 तक मुख्यतः नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम, डिजनी प्लस हॉटस्टार, सोनी लिव, वूट ओटीटी प्लेटफॉर्म पर चल रही अपराध प्रधान विशेष वेब सीरीज क्रमशः जामतारा– सबका नंबर आयेगा, पाताललोक, रुद्रा, अनदेखी, असुर आदि का समीक्षात्मक अध्ययन किया जाएगा। जनसंचार के नए माध्यम के रूप में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रस्तुत की जा रही अपराध विशेष सामग्री की जांच में प्रशिक्षण हेतु उपयुक्त प्रमुख पांच ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रसारित हो रहे अपराध प्रधान सीरीज का अवलोकन कर उनसे निष्कर्ष प्राप्त किया जाएगा। जिसके लिए गत 2017 से दिसंबर 2022 तक प्रसारित होने वाली सीरीज को अध्ययन का विषय बनाया गया है।

आंकड़ा संग्रह

प्राथमिक आंकड़ों के लिए 2017 से 2022 तक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रस्तुत अपराध आधारित सामग्री का अध्ययन किया जाएगा। जिसके लिए प्रश्नावली विधि के माध्यम से आंकड़े जुटाए जाएंगे। प्रश्नावली द्वारा प्राप्त आंकड़ों की पुष्टि एवं अंतर संबंधों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकी विधियों का प्रयोग किया जाएगा। साथ ही आपराधिक वेब सीरीज के चित्रण का संकलन किया जाएगा। वेब सीरीज में मुख्यतः अपराध से संबंधित सामग्री के लिए प्रमुख 5 चैनलों नेटफ्लिक्स, अमेजॉन प्राइम, डिजनी प्लस हॉटस्टार, सोनी लिव, वूट आदि का अध्ययन किया जाएगा और गुणात्मक रूप से यह निष्कर्ष निकाला जाएगा कि प्रस्तुत सामग्री किस हद तक सकारात्मक व नकारात्मक है। द्वितीयक आंकड़ों के लिए पत्र– पत्रिकाएं, इंटरनेट का उपयोग किया जाएगा।

आंकड़ा विश्लेषण

अनुसूची एवं प्रश्नावली विधि से प्राप्त प्राथमिक आंकड़ों, पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशित समाचारों, लेखों से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण कर संकल्पनाओं की पुष्टि की जाएगी। इससे सह–संबंधों एवं विचलन ज्ञात करने के लिए मापनी एवं अन्य वैज्ञानिक शोध विधियों का उपयोग किया जाएगा। उपरोक्त समस्त आंकड़ों को उचित आरेखों से प्रदर्शित किया जाएगा। अंत में समस्त निष्कर्षों के विश्लेषण के साथ शोध की सीमाएं एवं शक्तियों का वर्णन किया जाएगा।

संदर्भ:

1.बालाजी टेलीफिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड वार्षिक रिपोर्ट, 2017-2018 https://www.moneycontrol.com/bse_annualreports/5323820317.pdf

2. गोयल, डी . सुब्रमण्यम, ए. का मथ, आर. (अप्रैल 4, 2018) ए स्टडी ऑन द प्रि वि लेंस ऑफ़ इन्टरनेट एडि क्शन एंड इट्स एसो सि एशन वि थ सा यको लॉ जी इन इंडि यन एडो लेसेंट्स. (www.indianjpsychiatry.org)https://www.researchgate.net/publication/245030039_A_study_on_the_prevalence_of_Internet_addiction_and_its_association_with_psychopathology_in_Indian_adolescents/download

3. गिल्स, जे. (मई 2011). हाउ तो ब्युल्ट एन ऑडियंस फॉर योर वेब सीरीज: मार्केट, मोटीवेट एंड मोबिलाइज, www.greenhatdigital.com

4. https://en.wikipedia.org/wiki/Web_series

5.https://www.techopedia.com/definition/4922/web-20

6.https://www.thehindu.com/features/metroplus/radio-and-tv/indian-web-series-are-slowly-replacing-formulaic-soaps-ontelevision/article8248 663.ece

7. कोरावी , वी .एस. स्वा स्थवृत्ता एन्ड योगा . (2019) एनालिसिस ऑफ़ वेरि यस इफ़ेक्ट ऑफ़ वेब सीरीज स्ट्रीमिंग ऑनलाइन ऑन इन्टरनेट ऑन इंडियन यूथ, इंटरनेशनल जर्नल फॉर रिसर्च अंडर लिटरल एक्सेस फोरम https://www.academia.edu/mentions_verification/total_mentions

8. लू, डी . एंड ज्हेंग, एस.(2015) अ स्टडी ऑन चायनीज वेब सीरीज डेवलपमेंट: बैकग्राउंड प्रोब्लम्स एंड रेकमेंडेशन. जर्नल ऑफ़ फुयांग वोकेशनल एंड टेक्निकल कॉलेज.

9. मजेक, डी .(2012). वेबटेलीविज़न, वेब सीरीज एंड वेबकास्टिंग, फिल्मवेटेन्सका पलीगा इंस्टीट्यूट/ डिपार्टमेंट ऑफ़ सिनेमा स्टडीज. (पेज.2)

11. ओस्टर, ई. जेन्सेन, आर. द पॉवर ऑफ़ टीवी : केबल टेलीवि ज़न एंड वुमंस स्टेटस इन इंडिया From:http://faculty.chicagobooth.edu/Emily .oster/papers/tvwomen.pdf

12. द एरा ऑफ़ कंज्यूमर ए.आर.टी, फिक्की एनुअल रिपोर्ट, मार्च 2020.

13. जैक ड्यूक, द रा इज ऑफ़ ओवर द टॉप कंटेंट: इम्प्लीकेशन फॉर टेलीविज़न एडवरटाइजिंग इन अ डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर वर्ल्ड 2021.

Joglekar, R. (2018). Why Netflix's "Sacred Games" Is Facing a Court Case in India. Retrieved August 11, 2018, from http://time.com/5339495/sacred-games-netflix-india-court/

14. Aadeetya, S. (2018). The Great Indian Video Battle: Hotstar Ahead of Amazon, Netflix - The Quint. Retrieved August 11, 2018, from https://www.thequint.com/tech-and-auto/technews/hotstar-has-more-online-users-thannetflix-amazon-prime

15. Aastha Sawhney, Nidhi Sharma and Sahil gupta (2019). Case Study: Amazon Prime-An Entertainment Partner (Web Series). Journey of Brands-A Marketing Management Case Booklet, Retrieved from https://www.imsuc.ac.in/images/pdf/JourneyofBrands.pdf#page=65, on January 1, 2022.

16. Aditya Dhanuka and Abhilasha Bohra (2019). Binge-Watching: Web-Series Addiction amongst Youth. The Management Quest, 2(2), Retrieved from https://www.rset.edu.in/download/dsims/2_Binge_Watching_Web_Series_Addiction_amongst_Youth.pdf, November 15, 2021

अध्ययन का तदर्थ अध्याय

ओटीटी माध्यमों पर प्रसारित आपराधिक पृष्ठभूमि की वेब सीरीज का युवाओं पर प्रभाव : एक अध्ययन (मेरठ जिले के विशेष संदर्भ में)

प्रस्तावना

अध्याय 1 –ओटीटी प्लेटफॉर्म का परिचय एवं इतिहास

विभिन्न पकार क अपराधा को पृष्ठभूमि का वब सोरिज म पस्तुतोकरण

- ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आपराधिक वेब सीरीज की उपलब्ध सामग्री
- लोकप्रिय आपराधिक वेब सीरीज
- जामतारा– सबका नंबर आयेगा (नेटफ्लिक्स)
- पाताललोक (अमेजॉन प्राइम)
- रुद्रा (डिजनी प्लस हॉटस्टार)
- अनदेखी (सोनी लिव)
- असुर (वूट) आदि।

अध्याय 2 –संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन

अध्याय 3 –शोध की प्रविधि एवं अध्ययन क्षेत्र

- शोध का उद्देश्य
- शोध की परिकल्पना
- शोध विधि एंव चरण

अध्याय 4 –साक्षात्कार एवं सर्वेक्षण द्वारा प्राप्त आंकड़ों का अध्ययन

अध्याय 5 –आपराधिक पृष्ठभूमि की वेब सीरीज का समाज पर प्रभाव

अध्याय 6 –निष्कर्ष एवं सुझाव

परिशिष्ट 1 –प्रश्नावली

परिशिष्ट 2 –संदर्भ ग्रंथ सूची

नोटः शोध प्रबंध लेखन के दौरान अध्याय में बढ़ोतरी संभव है।